सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-407
22/09/2016

अन्तर्राष्ट्रीय सिख सम्मेलन के आयोजन से प्रेम, भाईचारा, सौहार्द्र, सद्भाव, सहिष्णुता का संदेश लोगों के बीच जायेगा :– मुख्यमंत्री

पटना, 22 सितम्बर 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल एवं अन्य आमंत्रित अतिथियों ने गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के मनाये जाने वाले 350वें प्रकाश उत्सव पर्व के अवसर पर आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सिख सम्मेलन (22–24 सितम्बर) का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने देश–विदेश से आये प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुये कहा कि राज्य सरकार की ओर से पहली बार अन्तर्राष्ट्रीय सिख सम्मेलन का आयोजन पटना में 22 सितम्बर से 24 सितम्बर तक किया जा रहा है। उन्होंने सम्मेलन में आये प्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुये कहा कि आपके द्वारा इस सम्मेलन में भाग लेने के लिये वक्त निकाला गया, इसके लिये मैं ह्रदय से आपका स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि 30 दिसम्बर 2016 से 10 जनवरी 2017 तक पटना साहिब में गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज का 350वां प्रकाश पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाना है। उन्होंने कहा कि गुरू गोविंद सिंह जी महाराज का जन्म 22 दिसम्बर 1666 को पटना साहिब की पावन धरती पर हुआ था। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व 300वां प्रकाश पर्व भी बिहार में काफी उल्लास से मनाया गया था। उस समय हम छात्र थे, उसी साल यहॉ भयंकर अकाल पड़ा था लेकिन उसके बावजूद भी 300वां प्रकाश उत्सव बड़े पैमाने पर मनाया गया और आज मैं अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ कि गुरू गोविंद सिंह जी महाराज के 350वें प्रकाश पर्व के मौके पर मुझे बिहार का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। इसी को ध्यान में रखते हुये अन्तर्राष्ट्रीय सिख सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य देश एवं दुनिया से सिख समाज के प्रख्यात विद्वतजन, प्रतिनिधिगण, चिन्तक आदि के साथ–साथ सभी मजहबों के ज्ञानी पुरूषों को एक मंच पर लाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अन्तर्राष्ट्रीय सिख सम्मेलन में कल से सिख धर्म एवं संस्कृति से जुड़े चार विषयों पर देश–विदेश के विद्वतजनों द्वारा पैनल डिस्कशन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पैनल डिस्कशन में **'Sri Guru Govind Singhji- A spiritual savior and crusader of lights', 'Sri Guru Govind Singhji- A poet par excellence', 'Sikhism- A faith of love and humanity' or Contribution of Sikhs to the Nation** विषयों पर परिचर्चा की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि परिचर्चा के पश्चात सभी लोग पटना साहिब गुरूद्वारा एवं अन्य गुरूद्वारा का दर्शन करे और उन्होंने बोधगया, राजगीर जाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राजगीर में श्री गुरूनानक जी ने निवास किया था। राजगीर में गर्म पानी का झरना एवं कुंड है। श्री गुरूनानक जी महाराज जहॉ ठहरे थे, वहॉ ठंडे पानी का झरना निकला। आप देश–विदेश के लोग आये हैं, ख्वाहिश है कि आप वहॉ जरूर दर्शन करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसका अपना स्वर्णिम इतिहास रहा है। यह धरती बौद्ध एवं जैन धर्मों की जन्मस्थली रही है। 2600 वर्ष पूर्व बिहार की धरती पर बुद्ध एवं महावीर ने मानव को अहिंसा का पाठ पढ़ाया था। इसी बिहार के वैशाली में भगवान बुद्ध ने महिलाओं को संघ में प्रवेश दिया था। यह ऐतिहासिक भूमि है, यह चन्द्रगुप्त, सम्राट अशोक, चाणक्य की भूमि है। चाणक्य का अर्थशास्त्र सदियों से लोगों को प्रेरित कर रहा है। मौर्यकाल एवं गुप्तकाल भारतीय इतिहास में स्वर्णिम काल माने जाते हैं। साहित्य, विज्ञान, गणित, खगोल शास्त्र में बिहार का योगदान श्रेष्ठ रहा है। आर्यभट्ट की खगोल विद्या के लिये खगौल एवं तारेगना में उनकी वेधशाला थी। यह भूमि शेरशाह एवं सूफी संतों की भूमि रही है। यह मॉ सीता की जन्मस्थली है और महर्षि बाल्मिकी की भी यह धरती रही है। उन्होंने कहा कि आज जो भारतवर्ष है, उससे भी बड़े भू–भाग का संचालन यहॉ से होता था और इसी पवित्र भूमि पर गुरू गोविंद जी महाराज का जन्म हुआ और आप सबों को आमंत्रित करने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू ने भी बिहार की धरती को चम्पारण सत्याग्रह के लिये चुना। चम्पारण सत्याग्रह का भी सौंवां साल चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमे गर्व है कि श्री गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज का जन्म पटना में हुआ। सिख धर्म में पटना साहिब का विशेष महत्व है। गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज सर्ववंश दानी, संत सिपाही, महान योद्धा, सफल नेतृत्वकर्ता, सामाजिक, आध्यात्मिक–राजनीतिक चिंतक, श्रेष्ठ साहित्यकार, बहुभाषी विद्वान, दया–क्षमा–प्रेम–विनम्रता–परोपकार आदि सद्गुणों से सम्पन्न एक आदर्श व्यक्तित्व थे, जिनसे प्रेरित होकर मनुष्य जीवन के उच्चतम उद्देश्यों की प्राप्ति के साथ–साथ जीवन की आम समस्याओं से भी निपट सकता है। 42 वर्ष की आयु में इतने महान कार्यों को अंजाम देना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज का सारा संघर्ष दलित–शोषित मानवता की रक्षा के लिए था। दबे–कुचले लोगों को एकत्र कर 'खालसा' का सृजन कर ऐसी अदम्य शक्तिशाली सेना तैयार की जिसने अपने समय की सबसे बड़ी सैनिक शक्ति को परास्त किया। गुरू जी महाराज ने जनता की सोई शक्ति को जगा दिया जो अपने सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी ताकत से लड़ने में समर्थ साबित हुयी। गुरू जी संत थे और सिपाही भी थे। परंतु उनके सैनिक व्यक्तित्व पर भी उनका आध्यात्मिक व्यक्तित्व छाया रहता था।

मुख्यमंत्री ने देश–विदेश से आये हुये अतिथियों से कहा कि आप सभी बिहारवासियों के सम्मानित अतिथि हैं। जनवरी 2017 के प्रकाश पर्व में यहॉ अधिक से अधिक संख्या में लोग आयें, इसके लिये लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हम और बिहारवासी अतिथि सत्कार में पीछे नहीं रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन से प्रेम, भाईचारा, सौहार्द्र, सद्भाव, सहिष्णुता का संदेश लोगों के बीच जायेगा।

इस अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल ने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को सारे सिख समुदाय और पंजाब की सम्पूर्ण जनता की ओर से शुक्रिया अदा किया और कहा कि श्री नीतीश कुमार ने बिहार में जितना कार्य किया है, उतना मैं पंजाब में नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि सारे हिन्दुस्तान में बिहार की अलग अहमियत है। उन्होंने कहा कि तीन सिख गुरूओं– श्री गुरूनानक जी महाराज, श्री तेग बहादुर जी महाराज एवं श्री गुरू गोविंद सिंह जी महाराज का चरण बिहार की धरती पर पड़ा है। यह भूमि जे0पी0 की भी जन्मभूमि है। उन्होंने जो देश की सेवा की, उसे देश भुला नहीं सकता। श्री प्रकाश सिंह बादल ने कहा कि पंजाब में भी इस तरह के कार्यक्रम रखे गये हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से अनुरोध किया कि वे समय निकालकर जरूर आयें। श्री बादल ने गुरू

गोविंद सिंह जी के नाम से पटना में नया भवन बनाने का आग्रह किया और इसके लिये दस करोड़ रूपये का चेक मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को सौंपा।

इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री एस0एस0 अहलुवालिया, उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उतर प्रदेश के मंत्री श्री बलवंत सिंह नामुवालिया, श्री सुरजीत सिंह बरनाला के पुत्र श्री जी0एस0 बरनाला, केन्द्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री तारलोचन सिंह, कनाडा की पूर्व सांसद डॉ0 रूबी ढ़ाला, इंगलैंड के डिप्टी लॉर्ड श्री रेशम सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह के प्रतिनिधि डॉ0 महिंदर सिंह, पंजाब के पूर्व मंत्री श्री बलविंदर सिंह, श्री ज्ञानी इकबाल सिंह, पूर्व सांसद श्री एस0एस0 ढ़िंगरा, दिल्ली गुरूद्वारा प्रबंध कमिटी के अध्यक्ष श्री मंजीत सिंह, हरमंदिर तख्त पटना साहिब के अध्यक्ष श्री अवतार सिंह ने भी संबोधित किया और इस तरह के अन्तर्राष्ट्रीय सिख सम्मेलन आयोजित करने के लिये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की सराहना की। पर्यटन मंत्री श्रीमती अनिता देवी ने स्वागत भाषण किया।

इस अवसर पर गुरू गोविंद सिंह जी महाराज पर अंग्रेजी एवं गुरूमुखी भाषा में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन एवं 350वें प्रकाश पर्व पर आने वाले अतिथियों के सूचनाओं के लिये बनाये गये मोबाइल एप्प का भी शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल एवं उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने किया। इस

इस अवसर पर सभी अतिथियों को शाल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री अब्दुल गफ्फूर, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्रीकृष्ण नंदन प्रसाद वर्मा, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री अवधेश कुमार सिंह, पूर्व मुख्य सचिव श्री जी0एस0 कंग, पंजाब के मुख्य सचिव, बिहार के मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, पटना के प्रमण्डलीय आयुक्त श्री आनंद किशोर, जिलाधिकारी पटना श्री संजय कुमार अग्रवाल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक श्री मनु महाराज सहित देश–विदेश से आये प्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रधान सचिव पर्यटन श्रीमती हरजोत कौर ने किया।

******